provide employment opportunities to the people of those areas. I request the Central Government to come forward to make the necessary allotment of funds for this project in order to have an industry in this backward area of Tamil Nadu. which would provide employment opportunities to the people of that area.

Department of Personnel and Training Circulars on Roster System

श्री राजू परमार (गुजरात) : सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से इस सदन का और आदरणीय प्रधान मंत्री जी का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं कि डिपार्टमेंट आफ पर्सोनल एंड ट्रेनिंग ने 1997-98 में कोर्ट के जजमेंट के आधार पर जो पांच ऑफिस मेमोरंडम इश्यू किए हैं उसकी वजह से पूरे देश के एस.सी., एस.टी. एम्प्लोइज के हक पर हमला हुआ है। उनके प्रमोशन बंद हो गए हैं, रिक्रूटमेंट बंद हो गए हैं और संविधान में जो रिजर्वेशन पॉलिसी के तहत राइट्स मिल रहे थे उस पर पूरा अमल नहीं हो रहा है। तो मैं खास तौर से जो पांच सर्क्यूलर डिपार्टमेंट आफ पर्सोनल ने इश्यू किए उनमें से दो सर्क्यूलर अभी विद्ड्रा हो गए हैं। लेकिन उसका इम्प्लीमेंटेशन अभी तक शुरू नहीं हुआ है। ...(व्यवधान)...

श्री रवि शंकर प्रसाद (बिहार) : पढ़ रहे हैं या भाषण दे रहे हैं? ...(व्यवधान)...

श्री राजू परमार : आप अगेंस्ट में हो तो आप अगेंस्ट में बोल दीजिएगा। ...(व्यवधान)... तभी तो दलित आप से दूर हो रहे हैं। ...(व्यवधान)... दलितों के मामले में भी आप विरोध कर रहे हैं। ...(व्यवधान)...

श्री भारतेन्दु प्रकाश सिंहल (उत्तर प्रदेश) : सभापति जी की अनुमति है तो ठीक है। ...(व्यवधान)...

श्री राजू परमार : हां अनुमति है। ...(व्यवधान)... आप बोलिए। विरोध में बोलना है तो बोलिए। सर, मैं आपके माध्यम से, इस हाउस के जरिए से आदरणीय प्रधान मंत्री जी से निवेदन करना चाहता हूं कि जो दो सरकुलर विदड्रा हुये हैं, उनका इम्पलीमेंटेशन अभी शुरू नहीं हुआ है और वे वहीं के वहीं हैं। बाकी के जो तीन सरकुलर हैं, 30 जनवरी, 1997, 2 जुलाई, 1997 और 13 अगस्त, 1997 के उनको अभी विद्ड्रा करना है। प्रधान मंत्री जी ने पार्लियामेंट को, दोनों सदनों को और हाउस के बाहर भी बार-बार एश्योरेंस दलित फोरम को, एस.सी./एस.टी. एम्पलाइज को दिया है कि इन सरकुलरों को जल्दी से जल्दी विद्ड्रा किया जायेगा। लेकिन उनके आश्वासन के बावजूद भी स्थिति वहीं की वहीं है। पूरे देश में एस.सी./एस.टी. के एम्पलाइज नाराज हैं और इससे प्रभावित हैं। मैं आपके माध्यम से आदरणीय प्रधान मंत्री जी का ध्यान आकर्षित करूंगा कि इन तीन सरकुलरों को जो एस.सी./एस.टी. की रिजर्वेशन पालिसी के खिलाफ हैं, इनसे पूरे एस.सी./एस.टी. के लोग प्रभावित हैं, उनको विद्ड्रा किया जाये। मैं आपके माध्यम से प्रधान मंत्री जी से यह मांग करता हूं कि इनको संसद का सत्र खत्म होने से पहले, निश्चित अवधि में विद्ड्रा किया जाये।

श्री सुरेश पचौरी (मध्य प्रदेश) : सभापति महोदय, एक निश्चित समय-सीमा के अंदर सरकार को इस पर निर्णय लेना चाहिए और इसको गम्भीरता से लेना चाहिए। ...(व्यवधान)...

श्री मूल चन्द मीणा (राजस्थान) : सभापति महोदय, शैड्यूल्ड कास्ट और शैड्यूल्ड ट्राइब्स के अधिकारियों पर अत्याचार हो रहे हैं। ...**(व्यवधान)**...

AN HON. MEMBER: The Government should come out with a statement on this matter. ...*(Interruptions)*...

SHRI S. NIRAIKULATHAN (Tamil Nadu): Sir, I associate myself. ...*(Interruptions)*...

श्री बालकवि बैरागी (मध्य प्रदेश) : सभापति महोदय, ...**(व्यवधान)**...

श्री गांधी आजाद (उत्तर प्रदेश) : सभापति जी, ...**(व्यवधान)**...

MR. CHAIRMAN: They associate themselves. हो गया। ...*(Interruptions)*... You associate yourselves. हो गया। ...*(Interruptions)*... Now, ...*(Interruptions)*... Now Ravi Shankar Prasad. ...*(Interruptions)*... Ravi Shankar Prasad. ...*(Interruptions)*... Nothing will go on record now. ...*(Interruptions)*... Nothing will go on record now. ...*(Interruptions)*... ...*(Interruptions)*... Nothing will on record now. ...*(Interruptions)*... I have permitted him. ...*(Interruptions)*... Nothing will go on record. ...*(Interruptions)*... I permitted him and you have associated yourselves. ...*(Interruptions)*... Ravi Shankar Prasad. ...*(Interruptions)*... Ravi Shankar Prasad...*(Interruptions)*... Nothing will go on record now. ...*(Interruptions)*... I permitted you ...*(Interruptions)*...

श्री रवि शंकर प्रसाद : सभापति जी, आप इनको बिठा दीजिए, मैं तभी तो बोल पाऊंगा। ...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति : मैंने आपको इजाजत दे दी है। आपका हो गया। ...**(व्यवधान)**...

श्री सुरेश पचौरी : महोदय, यह सरकार अनुसूचित जाति, जनजाति के मामले में कुछ नहीं करना चाहती है। बहुत गंभीर मामला है। हम सदन से वाकआउट कर रहे हैं।

(तत्पश्चात कुछ माननीय सदस्य सदन से उठकर चले गए)

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE (West Bengal): The Minister should respond ...*(Interruptions)*...

THE MINISTER OF RURAL DEVELOPMENT (SHRI M. VENKAIAH NAIDU) : Mr. Chairman, Sir, with all humility, I would like to bring to your notice that this is an issue which is sensitive and is agitating the minds of the entire country. As members of the Government and Members of the Rajya Sabha, we are also equally concerned. But I would like to draw your attention that if some people try to take political advantage out of it, and appear as if they are more interested and we are not interested in this, it is

not fair. I would humbly bring to your notice the background of this issue. Sir, these five Office Memoranda were not issued during our regime. They were issued during the earlier regime. And then, a number of delegations met the hon. Prime Minister. The Prime Minister also made a commitment. This issue was discussed even in our party meeting. Now, the Government is trying to find some solution to this very important problem. By trying to politicise and make it controversial and trying to settle scores with each other, we are doing injustice to those people who are expecting some justice on this. I am saying this with a heavy heart. It is a Special Mention. The hon. Chairman has allowed him to raise this in view of the importance of the issue. And, after making the Special Mention, if they make political allegations against the Government, it is not fair. I must say that these people, who are protesting now, were supporting the Government which had issued these Office Memoranda. This Government, I humbly submit, is totally committed to doing justice to the Scheduled Caste and Scheduled Tribes, and any wrong impression should not go to the country. I am constrained to say this as a Minister and even as a Member, because, after all, this House is supreme. They have every right to discuss this issue. But, if they want to take political advantage out of it, it is not fair. I want to put it on record. That is why I sought your permission. Thank you.

DR. ALLADI P. RAJKUMAR (Andhra Pradesh) : I think two of the Memoranda have already been withdrawn.

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: Our Government is withdrawing them. A Constitutional amendment is required for this.

SHRI S. VIDUTHALAI VIRUMBI (Tamil Nadu) : Sir, we are second to none in protecting the Scheduled Castes and Scheduled Tribes, cutting across the party lines in the NDA.

Killing of Dalits at Marotha Village near Patna

श्री रवि शंकर प्रसाद (बिहार) : माननीय सभापति जी, मेरा विशेष उल्लेख पटना के समीप मरोठा गांव में दलित नरसंहार के संबंध में है। पटना से मात्र 30 किलोमीटर की दूरी पर मरोठा गांव में विगत 17 अगस्त को दलित लोगों का भीषण नरसंहार हुआ। दलित एवं पिछड़ा वर्ग बहुल इस गांव में कुख्यात अपराधी जमनदन गिरोह ने उक्त रात क्रूरतम कार्रवाही करते हुए सम्पूर्ण मानवता को कलंकित कर दिया। उक्त गिरोह द्वारा एक घंटे तक तांडव मचाने के दौरान उस गांव के दस दलित परिवारों के घरों पर चुन-चुन कर हमला किया गया और 6 लोगों को मौत के घाट उतार दिया गया तथा 7 लोगों को घायल किया। सबसे दुर्भाग्यपूर्ण पक्ष यह है कि दलित महिलाओं के साथ भीषण अमानविक और क्रूर व्यवहार किया गया। एक महिला दमयन्ती के साथ बलात्कार कर उसके शरीर के संवदेनशील निजी अंग में छुरे से वार कर हत्या कर दी गई।